

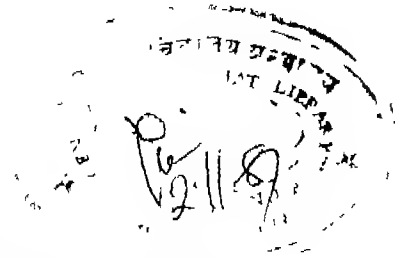


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

शाधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 16]
No. 16]

नई दिल्ली, मंगलवार, अक्टूबर 14, 1986/आश्विन 22, 1908
NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 14, 1986/ASVINA 22, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन को रूप में
रखा जा सके

Separate Pageing is given to this Part in order that it may be filed as a
a separate compilation

भारतीय खाद्य निगम
मुख्यालय

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर, 1986

प्रधिक्षेत्र

सं. 36/स. ई. पी. 39-2/85 — खाद्य निगम अधिनियम 1964
(1964 का 37) की धारा 45 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा
केन्द्रीय सरकार की पूर्वानुमति से भारतीय खाद्य निगम निम्नलिखित
विनियम बनाकर भारतीय खाद्य निगम (मृत्यु तथा निवृत्ति उपदान)
विनियम, 1967 में इस प्रकार संशोधन करता है :—

- (1) ये विनियम भारतीय खाद्य निगम (मृत्यु एवं निवृत्ति
उपदान) (8वां संशोधन) विनियम, 1986 कहें जायेंगे।
- (2) ये तत्काल प्रभावी होंगे।
2. भारतीय खाद्य निगम (मृत्यु तथा निवृत्ति उपदान) विनियम,
1967 के विनियम 3 की वर्तमान व्यवस्था, निम्न प्रकार से संशोधित
जायेगी।

3 शब्द,
उपदान का भुगतान, कर्मचारी के घर, कार्यकुशल तथा विश्वसनीय
सेवा होने पर, जो विनियम 5 में बतलाई गई राशि से अधिक नहीं हो,

कर्मचारी या अन्य व्यक्ति या व्यक्तियों को, जो विनियम 7 के अंतर्गत
उपदान प्राप्त के अधिकारी हैं, किया जायेगा।

इसमें यह भी व्यवस्था है, कि कर्मचारी के विरुद्ध त्यागपत्र/निवृत्ति
के समय, यदि कोई अनुशासनिक कार्यवाही चल रही है/बताई जाये वाली
है तो उपदान का भुगतान उस समय तक नहीं किया जायेगा जब तक
उसके विरुद्ध कार्यवाही का अंतिम निर्णय न हो जाये। अनुशासनिक
कार्यवाही के निर्णय होने पर ही, उपदान की राशि का भुगतान अनुशासनिक
कार्यवाही के अंतिम निर्णय तथा अनुशासनिक प्राधिकारी के आदेशों को
दृष्टि में रखते हुए, किया जाएगा। वह कर्मचारी जिसकी सेवाओं को
बुराचरण, दिवालियेपन या अकार्यकुशलता के कारण समाप्त किया गया है,
उपदान प्राप्ति का पात्र नहीं होगा।"

THE FOOD CORPORATION OF INDIA
HEADQUARTERS

New Delhi, the 14th October, 1986.

NOTIFICATIONS

No. 36/No. EP. 39-2/85 — In exercise of the
powers conferred by Section 45 of the Food Corpo-
rations Act, 1964 (37 of 1964) and with the previous

sanction of the Central Government, the Food Corporation of India hereby makes the following Regulations further to amend the Food Corporation of India (Death-Cum-Retirement Gratuity) Regulations, 1967 :—

1. (i) These Regulations shall be called the Food Corporation of India (Death-cum-Retirement Gratuity) (8th Amendment) Regulations, 1986.

(ii) They shall come into force with immediate effect.

2. The existing Regulation 3 of the Food Corporation of India (Death-cum-Retirement Gratuity) Regulations, 1967, shall be deemed amended to read as under :—

"3. CONDITIONS :

A gratuity not exceeding the amounts mentioned in Regulation 5, may be paid to an employee or to the other person or persons on whom the right to receive the gratuity is conferred under Regulation 7, for good, efficient and faithful service of such employee :

Provided that an employee against whom disciplinary action/proceedings is contemplated or pending at the time of resignation/retirement etc. will not be paid gratuity unless the action/proceedings against him have been finalised. On finalisation of the disciplinary proceedings, the release of payment of amount of gratuity will depend on the final outcome of the disciplinary proceedings and keeping in view the orders of the disciplinary authority. Gratuity will also not be admissible to an employee whose services are terminated for misconduct, insolvency or inefficiency."

सं. 37/सं. ई. पी. 3-8/79 :— खाद्य निगम अधिनियम, 1964 (1964 का 37) की धारा 45 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा केन्द्रीय सरकार की पूर्वानुमति से भारतीय खाद्य निगम निम्नलिखित विनियम बनाकर भारतीय खाद्य निगम (कर्मचारी कृषि विनियम, 1971 में ऐसे संशोधन करता है :—

1. (1) ये विनियम भारतीय खाद्य निगम (कर्मचारी कृषि) 93वां संशोधन) विनियम, 1986 कर जायेंगे।

(2) ये तत्काल प्रभावी होंगे।

2. भारतीय खाद्य निगम (कर्मचारी कृषि) विनियम, 1971 के वर्तमान विनियम 16(3) को इस प्रकार प्रस्थापित किया जाता है :—

"विनियम 16(3) सीधी भर्ती वालों तथा पदोन्नतों की सम्बन्धित बरिष्ठता

(1) सीधी भर्ती वालों तथा पदोन्नतों का सम्बन्धित बरिष्ठता का निर्णय क्रमशः सीधी भर्ती वालों तथा पदोन्नतों के बीच रिक्तियों के चक्र पर जो सीधी भर्ती वालों तथा पदोन्नतों के लिए प्राञ्जित अनुपात के आधार पर होगा, किया जाएगा।

(2) (क) किसी कैलेंडर वर्ष में जो रिक्तियाँ होंगी वे जहाँ तक संभव होगा उसी वर्ष में भरी जायेंगी।

(ख) उल्लिखित के होने हुए भी, यदि किसी कारणवश कोई रिक्ति या रिक्तियाँ किसी वर्ष में सीधी भर्ती अथवा पदोन्नति यथास्थिति के लिए प्राञ्जित तथा निर्धारित प्रक्रिया से ना भरी जा सकी हों, तो ऐसी रिक्ति या रिक्तियों को

अगले वर्ष में शामिल कर लिया जायेगा। ऐसी रिक्ति या रिक्तियों पर पदोन्नत या सीधे भर्ती किये गये व्यक्तियों की आंतरिक बरिष्ठता यह मान कर तय की जायेगी जैसे कि पिछले वर्ष की पदोन्नति अथवा सीधी भर्ती की रिक्तियाँ, यथास्थिति बाद वाले कैलेंडर वर्ष में उत्पन्न हुई और ऐसी अतिरिक्त रिक्तियों के लिए चुने गये रिक्ति प्रतियोगिता पदोन्नत या सीधे भर्ती बरिष्ठता सूची में उस वर्ष की रिक्तियों के चक्र के आधार पर यथास्थिति अन्तिम पदोन्नति या सीधे भर्ती व्यक्ति के बाद रखे जायेंगे।"

के. एस. भसीन, सचिव

No. 37/F. No. EP. 3-8/79 —In exercise of the powers conferred by Section-45 of the Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964) and with the previous sanction of the Central Government, the Food Corporation of India hereby makes the following regulations to amend the Food Corporation of India (Staff) Regulations, 1971, namely :—

1. (i) These Regulations may be called the Food Corporation of India (Staff) (93rd Amendment) Regulations, 1986.

(ii) They shall come into force at once.

2. The existing Regulations 16(3) of the Food Corporation of India (Staff) Regulations, 1971 shall be substituted as under :—

"Regulations 16(3) Relative seniority of direct recruits and promotees.

(i) The relative seniority of direct recruits and promotees will be determined according to the rotation of the vacancies as between direct recruits and promotees as based on the quotas reserved for direct recruitment and promotion respectively.

(ii) (a) Vacancies arising in a calendar year shall be filled up during the same calendar year, as far as possible.

(b) Notwithstanding anything stated above, if for any reasons whatsoever, any vacancy or vacancies arising during a calendar year reserved for promotion or direct recruitment, as the case may be, remain unfilled by the prescribed mode such vacancy or vacancies shall be carried over to the subsequent calendar year. The interse seniority of such persons as are promoted or recruited against such vacancy or vacancies shall be fixed as it such earlier year's vacancies for promotion or direct recruitment, as the case may be, had arisen during such subsequent calendar year and the persons selected against the additional vacancies shall be placed en-bloc below the last promotee or the direct recruit as the case may be, in the seniority list based on the rotation of vacancies for that year."

K. S. BHASIN, Secy.